केल्यानें होत आहे रे I आधीं केलेंची पाहिजे II

Bhartiya Shikshan Prasarak Sanstha Amabajogai's

Shri Siddheshwar Mahavidhalaya, Majalgaon

Internal Quality Assurance Cell

Criterion 2 – Teaching Learning and Evaluation

2.5.1 Mechanism of internal/ external assessment

IQAC Coordinator

Website:www.ssmm.ac.in

Shri Siddheshwar Mahavidyalaya Majalgaon Dist Beed

Principal

Principal
Shri Siddheshwar Mahavidyalaya
Majalgaon,Dist.Beed 431 131

SHRI SIDDHESHWAR MAHAVIDYALAYA MAJALGAON

Department of Mathematics

NOTICE

Date: **30/03/2022**

All the students of B.Sc Second Year are hereby informed that the first test of **Mechanics II** will be held on **31/03/2022**. So all students are requested to come to college with ID card on the scheduled date for the examination.

Head of Department

Mathematics.

SHRI SIDDHESHWAR MAHAVIDYALAYA MAJALGAON

B.Sc S.Y. (Sem-IV)
2021-22
MAT-403 Mechanics-II
TEST - I

[Time:50 min] [Marks:10]

Read carefully before starting the test:

- Attempt all questions.
- You can't use any electronic device.

Q.1 State and prove law of conservation of energy. 05

Q.2 Write relation between areal speed and angular speed. 05

SHRI SIDDHESHWAR MAHAVIDYALAYA MAJALGAON

B.Sc S.Y.(Sem-IV)
2021-22
MAT-403 Mechanics-II
TEST - II

[Time:50 min] [Marks:10]

Read carefully before starting the test:

- Attempt all questions.
- You can't use any electronic device.

Q.1 Prove that central orbit is a plane curve. 05

Q.2 Write definitions of Apse line and Apsidal distance. 05

SHRI SIDDHESHWAR MAHAVIDYALAYA MAJALGAON

Academic Year 2021-22

Internal Evaluation- B.Sc. S.Y.

Subject: Mechanics – I & II

Paper No.- MAT-303& MAT-403

Class Test Marks- 10

Sr. No.	Name of Students	December	January	April	May
1	BUDHANAR BALAJI MACHINDRA	09	09	07	07
2	CHAVAN AKASH PANDITRAO	09	07	08	07
3	DESHMUKH VAIBHAVI VINAYAKRAO	08	AB	08	08
4	JADHAV NITA HANUMANTRAO	07	07	09	08
5	JAWLEKAR SAYALI SANJAY	09	09	07	AB
6	JUJGAR AJAY SHANKARRAO	09	09	08	07
7	PATHAN ARBAZ NAIM	AB	08	09	07
8	PATHAN RAYANKHAN SAMIULLAKHAN	08	08	08	08
9	PHULWARE NIKITA BALASAHEB	09	08	07	07
10	PRABHUNE ANISHA GANESHRAO	08	07	08	09
11	SHARMA KRISHNA JUGALKISHOR	07	06	AB	09
12	SHIVALKAR PRIYANKA GOVINDRAO	07	07	08	08
13	TIDKE AKANKSHA KESHAV	08	08	07	08
14	WAGHMARE MAHESH MAHADEV	09	08	09	09
15	WAGHMARE SHILPA ANANT	06	09	07	AB

(Dr. Rathod, P.M.)

Shri Siddheshwar Mahavidyalaya Majalgaon Dist. Beed 431 131

Principal
Shri Siddheshwar Mahavidyalaya,
Majalgaon,Dist.Beed 431 131

नाव : धनश्री परमेश्वर नांगरे
वर्ग : B.com F.Y
विषय : hindi
: 28-4-22

9)

→ घर की तलाश कहानी के लेखक राजेन्द्र यादव एक हिंदी के उच्चकोटी लेखक, अनुवादक, समालोचक के रुप में वह प्रसिद्ध है। लेखक का जन्म २८ अगस्त १९२९ में उत्तरप्रदेश के आगरा जिले में हुआ उनकी पत्नी का नाम मन्नु भंडारी था वह भी हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका थी। उन्होने मिलके कही सारे लेखन किये है।

राजेन्द्र यादव प्रेमचंद द्वारा चलाई गई हंस पत्रिका के संपादक कार्य उन्होने करीब २७ साल तक समभाला है। लेखक का प्रथम लेखन एक कविता संग्रह के स्वरुप में किया है जिसका नाम उन्होने 'प्रतिहिंसा' ऐसा रखा, उनके कुछ उपन्यास जसे 'शह और मात', 'अनदेखे अनजाने पुल', 'सारा आकाश' और कुछ संग्रह 'प्रतिज्ञा', 'अपने पार', 'जहां लक्ष्मी कैद है', 'देवताओ की मुर्ती', 'आपने खिलौने', 'किनारे से किनारे तक' जसे कुछ लेखन प्रसिद्ध है ऐसे महान लेखका मृत्यू २८ अक्टोबर 2013 में दिल्ली शहर मे हुआ।

लेखक द्वारा लिखी यह कहानी एक कल्पनिक घटना पर आधारित है, परंतु यह

गाँव छोड़ पुणे मुंबई जैसे बढे शहरों मे वास्तव हो जाते है। हमें आपने देहांतो में रहने वाले माता पिता के बारे में नही सोचते मगर यहा रामु का हरा बरा परिवार होने के बाऊजुत उसे अपने माता पिता की याद आती है यह कहानी हमारे भारतीय संस्कृति को चार चाँद लगाने का कार्य कर रही है। जब तक रामु जैसे युवा है तब तक हमारे भारत में वृद्ध आश्रम की संख्या नही बढेगी. और यह सब को प्रयास करना चाहिए।

परंतु हम इसका ~~उस~~ उलटा कर रहे है। किसी परायों के लिए हम अपने माता पिता के वृद्धाश्रम भेज रहे है। हमे ~~अपनो~~ अपने सपनो कि उडान लेनी चाहिए मगर अपने पेर जमीन पर ~~रख~~ रख के यह हमें कहानी सिखाती है। अगर हमारे पैर जमीन पर हो तो हमे किसी भी आंधी से डर ने कि जरुरत नही।

अगर ऐसा न ~~ह~~ हुआ तो हमे भी रामु जैसे दरबदर घुमना पडेगा और घर घर कि ठोकर खानी पडेगी। वैसे ही रामु जैसे हमें भी आपने जीवन में आशावादी रहना चाहिए जैसे रामु अपने दोन घर ढुंडने के लिए ऐडी चुटी का जोर लगा रहा है वैसे ही हमे अपने सपने पुरे करने के लिए हमे अंगारों पर भी चलना चाहिए।

सीख :- हमें हमेशा अपनो कि अहमियत समझनी चाहिए। और हमेशा आशावादी रहना चाहिए।

---

98 seen

उद्देश :- हमें आपने वास्तविकता का ध्यान रखना चाहिए और अपने मा-बाप कि अहमियत रखनी चाहिए। और अपने आस्तित्व की खोज करनी चाहिए। उत्तर सटीक है परंतु शुद्धलेखन की बहुत सी गलतियाँ है। लेखक का परिचय विस्तृत दो।